इलल दोनहनसालकेजेरवके दिनहोये

चौपई चंदरवार वैसाखकरावे ॥ तिसको लछो
नकहसुनावे ॥ वरषाहोववौहतसमतेअंन
कोजान ॥ ऊपरतारेकमेरके ताले सुलतान
तवरैयतसभ वंगालाहोये ॥ मानेहुकमहा
कमनाकोये ॥ आपत पड़ेपर वतामाही ॥
जघबिचवौहतेमरजाही ॥ ऊतरदेसख
लबली पड़े राजदुखमै वौहतेमरे ॥ दुधवौ
हत वपा याहोवे ॥ षतरा मरगपं डॉहहो
वे दोहरा तिलक पासअर अनमेवा आवर

फड़कारंगहोवे ऊसकादुध लैके[illegible]वी

लसीकरनी कोरे भांडे विचपाके ऊ

सपरेती कुटादेना गौयाको ऊसदा

वाजेगौयाकडे ऊसदा बाजे हठे ऊस

दिन तवाना चाड़े चकीना फेरे गोहाना

क ध्ये सारे दुध का जगकर दे मनो

ड.टे   औं जंत्र सपरादा

ॐ।	[illegible]	[illegible]
॰२॰	५।	॰ॐ
७	१॰	३२

८	७	२२
२२	९	५
६	२२	२

स[illegible]स

दी

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

जंत्र [illegible] गाडे का औत
नारा लिखके तांवे मे
मड़ा के सिर रखे

जंत्र औठ
गड का त
वीत नाम
अमेदा लिख
करे

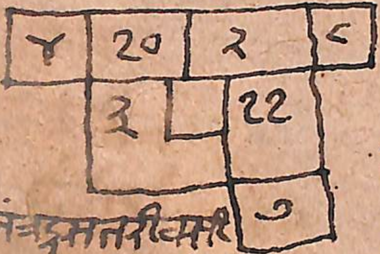

यामर
दो
करे

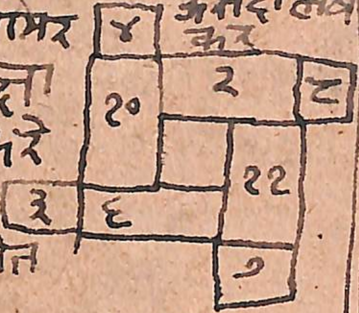

जंत्र मतरी का
करणा का भोजपत्र पुरुष पैत
वांध कर को लिखे
नाम लिख
नारी
मेदा

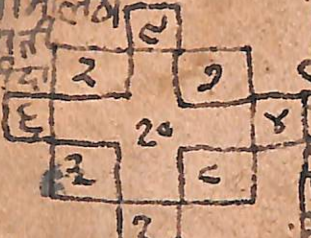

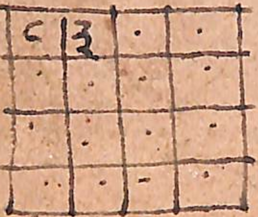

जंत्र [illegible]

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

जंत्र जगड़े कालिखके पैरमेरखे

२३४	२४१	२	१
६	३	२३८	२३१
४०	२३५	८	२
४	५	२३६	२३४

ईसतरीगरभधारे घोलपीवे

६०	४६	२५
३६	२४	२२
२३		४२

मठरा खवाले केग लवंदे

५	५
५ मलम ५	

नाम लिखे

जरपीड़का

१	८	२०
१	३	५
नजरका		

२	४	
३		६
८		१
६	३	

जंत्र तेईयका गलवंधे

६	२२	२	१
६	३	२०	१
४	५	८	२२

जंत्र नुबं देमे तव र

४	२	ट	२२
१	२२	२३	२
४	६	२३	३
ट	२२	२५	२

लिखके गलवंदेनालेपी देयारमाके वे

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

१जंत्रमिरगीका

२३	२७	२	७
६	३	२७	२५
२८	२३	८	२
४	५	२४	२८

मड़ाकेगलबंधे

जंत्रडरछायाका

२०	५	३	२
६	३	४	२३
६	२२	८	७
४	५	२२	२५

६	२३	२	७
६	३	२०	९
२३	७	८	२[illegible]
४	५	८	२२

नेतकीतापकालि
अकेगलबंधे

जेहअखर लिखके
सिर बने आछु सिर
हटे
काली त्रीयाकाक
री माथे बैठी आय
हाकीहोई हनम
नत की आछी
सीसीजाय

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

मै सुरू होता है

आतवार गुररेकाफलहैमुसलमाननेरला ६

केजेहगइनपवनाहैजोचंदमुरैराकाहोय

ऊसतेअगलेदिन गुरराहोतनहैइसकीवि

चारसालकीहै आतवार गुरराजेहोचौपई

घरोमेघजार समतेकान ॥ मेवातरकरको

वौहत्तामान ॥ पातसाहाकाकामनला ॥

लोकसुषीवौहहोमेलाल ॥ दोपायेचुपाये

सतरानाहदूधदहीवौहहोवेजगमाह ॥

घानन्नालकीचलेवाततिरीयाकेकयमे

वौहदुषपायगेहहोवेसाद्दीघनी ॥

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

अरवृजामीठावौहेमली फलहोमेरसभसी

रदार ॥ आगनजोर वौहत्ते तिलकार ॥

चौपद कीपूरे मराद चंदगहनहोवेपरमा

द ॥ सीत पढेलाहोवेसही थोड़ीहोयकपा

समही चंद्रवार गुरुरेकाफलचौपईआ

नभायमममतावौहहोय ॥ पपमाटाकाकंम

वगोय ॥ नेयामत जगमे वौहती [redacted] वाय

लोकभलेजगघटदेनाह ॥ देसपछमके [redacted]

होयवियाध ॥ नगर गामते आपतनपास

राह ॥ भलेसुदागर नफा घनी थायजोतर

वर नफा ॥ दूध कपासतिल जगघने

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

बालक जमन नआधे घने ॥ रोगघनानर

नारीजान ॥ अजाभेड बौहहोवे जगमांह ॥

बौह तर बरकोफल लगेजो पंछीचौपद

सभसुखसोय ॥ जैसी उपजै तैसावरव ॥

जोगुर राचंदर वारहोय मंगलवार गुरवजे

होय ॥ जगमेहोवे बौहताकाल मेह समेपुरवर

सैनहीलाल ॥ नाखेती रजतवरान ॥ नफार

दागर बौहतामान जैहमतमेमरेअवीर

राहचलेसीवपवपीन घोड़ाफुलतर वर

सोजार तुटेतर वर पवनभार ॥

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

॥ गुड़ मकर कुंभ मास खंड ॥ वडे लोक चाकर दे
दड ॥ तिल गेहूं मेंगे होयलोय ॥ बापपुत्र
मै दगा जो होय ॥ वरक तकिसी वसतना
होय ॥ अगन जोर घोरो जग होय घोरा हो
वे नर पुर षारत ॥ रव को गहन घरा वल
टिड्डी मूसा अतही घना करत अनीत जग
गत मे भान ॥ छल भाषे सो देषे जोय ॥
मंगलवार गुर राजे होय बुद्धवार गुरता
होय गुड मैगा अर जान कृपा ॥ हिं दम्हमका
॥ होसी नास ऊ जड़ जामे नर परदेस ॥

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

नहदर वालेहोय कालेस ॥ मानस पं
खीहोवे सभरोग ॥ पा[illegible] तमाहा काकाम
नाहोग जेकर होवे पातमाही कामता
पुरलागेवौहतेदाम ॥ मेघना बरसे आप
ने सभे ॥ मुदगर कोलाहा कमे ॥ जंगवि
चमरराा आवरा य ॥ दौलत वंदवौह
दुखपाय ॥ वंद गहनआर टिडी घनी
हिंदम्रम मैदै सतपड़ी ॥ चौपायकम
आर मह गे धान ॥ मेवा दाखचुहारे हा
ने आगनजोरजगमे करंत ॥

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

सर वरीहोयहिंद सभडरे बुद्धवार गु
र राजे पड़े गुरवार गुरराजेहोग आछे
मे घ अपदर नाह रजा परजा सुषघ
रमाह॥ दाद परायावृने लोका पस्
पन छी सभही सुषलोक॥ षेतीहोवे
आपर ऊपाराई जारके कुटमेदुषका रा
वालक रोग॥ अगनकजोर का हृदेस
मे होयनासोग॥ सीत पढेला परसी
सही मेघ लषी सतै सेवक कही॥
गुर वार गुरराजेहोय ताके लदान
औसै होय॥

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

शुक्रवार
मंगलवार

गुरराजे पायता के फलको दे
षत ताह" नर नारी वरोध कराय" बृ
न जंगवो हत दिसआय" मेष पच्छे ताने
वामीठा" अगन घनजिंग करडीठा"
पवन घनी और मध्म राज निरप
काहोसी मध्म काज" महगी वसत
सभी जगहोय" नरचौपदको सभास
होय" नर मध्म और खेती घनी न
फा मध्म सुदागर कमी सास तीगे
हु जेह करजान और उपन" कीकमती

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

मान ॥ मंगवार गुरराजे पा ये तो के ल
छनक हे वना शनिवार गुररे का मान
सरजीकरहो य वरान ॥ वढे सागर आ
रजग कराये ॥ रजत हो बेबीत वरान
पातसाह मन सोग जो मान वार शान
प्रभुर गुररापा य वृध साल मे जम की
घट जाय सोमवार पूरणमासी द्वारु पेट केसर ववि
कार जामे इट सिर की जड़ अरर हरड़
गौलो अर नल छ दाल सम काड़

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

होयगौमुत्रगुगलसमभाय दिय
रोगऊधरकेजाहै ग्यारह गोलाक
बनपेटकी हरड़कीछिलसिरसाही २
सुचीसिरनासिरसाही २ मसरीसिर
साही २ मनकासिरसाही २ कूटकापड़
छानमनकाविनापेरमिंनकारला
के धेलाभरकीगोलीकरउषेरातनू
ततेपानीनालखावेहटे

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

राम दोर चूचेचोलालिलौ लौआ

2 मेष ड़ी ऊ येउ वाविउ वेवोर वेष

काकि क घ इं छ के कोह्न ३ मिथन

हिन्ह हे डाडि ढडडेडो ४ करक म

मामृ मेमोटाटिटुटे ५ सिंह टोपपिपृ

पपाठपेपो ६ कन्या रीरोरे ता

तितुते ७ तुल तोननान्नेनेनो या

यिया ८ वृचक येयोभभिभुभे

घाढाभे ९ धन भजजिखखिखृ

खो गगो १० मकर गृ गेगो म

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

सिधुसेसौदा २२ कु मदिटू घ
ऊ इदे दोचा मीन २२ राजावार

अथ दारु चूरण हाजमे का लूणसी
दा मंचर वायविडंग कुट तरफला
तिवी सरन अनारदाना लौंग चितजुवा
यन जीरे दोमे पूदना हिंग लाचीदाना
दालचीनी सौफ सबुन बराबर कर
चूरण कर ततेपानी नाल मासे तिन
फके

आगे मंत्र

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

ॐ मंत्र सत्रू तपाऊनका ॐ रक्त खंड की
घनहली श्री खंड के बान मार मार को
मलि भेर व मेरे सतेमारा वेगनामा
रे त ऊ गुरु गोरख की आज्ञा ॐ मंत्र की
विध मास वाले दिन आधी रात बैठा जा
प करे दिन सत ७ हजार इक २ गुगल धू
प करे सत्रू को ताप चढे ॥ जब जप करे इ
1 क इक वार मंत्र जपे तिस को तपाव
ना होवे ऊसका मंत्र मंत्र पिछे ऊसका
पित्र पित्र नाम लवे दुध चावल षावे

श्री

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

मंत्रपेटपीड़का बीलेका ओंबीला वडा सीला
वडा चार ब्रुहहकलीमेरा नडका फेरना
आवे छोनीकीकुंडमेपड़े बूड़ेकीसंदकमे
पड़े गुरकी सगतहुमारीभगतफुरोमंत्र
ईसरो [redacted] माहादेव तेरा वाचा इस
मंत्रहजार वार जपकरे तासिद्ध होवे
ओंप्रीगणेशायनमः ओंदोहरा जिसदिन
बसाखीआवे सारे सालकी बात बतावे
रैयत राजेके पासआई दुखकी विर
षा कहसुनाई ओंदोहरा पांचसालबी
ततभये बरषा होई नाफूल परजा

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

मुई तरास सै नया आन कासूल चौपई
सुनराजा मन चिंता भई कौन पाप पिरथी
मर गई ॥ तब बुजर्ग मुहर्रर बुलाये
काल होन का अरष पुछाये दोहरा
तबन जूमी जोतसी पंडत लै ये बुलाय
और साग नभि ये अकतर आये चौपई
राजा पूछे कवन विध पिरथवी कौसु
खहोये ॥ कवन द्ध मै पिरथवी छै है वि
तावो मुज को सो ये ॥ सभ नै मिलके

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

जेहकहीसुनधर मरूपऊतार जो
परजादुषपावसीसोराजासिरभार ॥
चौपई राजेनेतबजगकरायादरबभंडा
रा दौहतलुटायाइंदरजगमैदानदी
ये वहुअपरऊपारा घर घरहोतेमंग
लचारा इंदरजगसैकीयानुहारातबब
र षामैई मूसलघारा दोहरा कुसल
भैई सभजगतमैहोतेजैजैकार अनंद
भैई सभजगतमै सुषीहोयेमनसार
साहेकहे॥ अनसमनकोषोजोबूप॥

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

नजूम सम हकीकत साल की पहला होवे मालूम ॥ है कि साल के बीच मै पोथी भई तियार ॥ हो के ईक ठे अनन्द जी लैआ ये दरबार ॥ सात वार का कीया विचार भले बुरे का कीया सुमार दोहरा वैसा षी जिस दिन आवे ॥ सोई साल की वात वितावे ॥ शन वार वैसाषी आवे ॥ हाला साह जैलपुर धावे ॥ रैयत हाकम से ती लड़े ॥ सर व आफत ध्रुर तीपुर पड़े वौहत चुपाये जग मर जाहे ॥ पूरंव मै

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

हगा ॥ अनवकाये ॥ फलविरछाकोयो २२
ड़ाहोवे ॥ रुतअपनीसैमेयनाहोवे ॥
जहमतहोवेजगतमे ॥ होवेहोहतविकार ॥
मीतर मीतरसैकरे वखेड़ामायपरवतपु
रहोवेथोड़ा ॥ सर वदेसमेपवे वखेड़ा ॥
अगनअधेरीवोहतीहोये राह वटाऊचले
नाकोये ॥ वंदी वीचलोक वोहआमे अ
र व विचजो लोक वमासे हजीहजना
करसके तीर पजाये नाकोजेहल दन
हनसाल केजेवार शनप्पूर हो— ॥

चौपई। र व वार वैसाषीआवे तिस के
ल दोन कहू सुनावे॥ षुसी होई मन मा
हू के परजा मे सुष होय॥ राजा सै राजा
मिले परजा होय आनंद चौपई मीत र मी
तर सै हेत व धावे॥ वर षा मे सार होवे
आवे॥ जग मे दुष्ट ना को रहावे॥ ससा
होय अंन का भाऊ॥ सभ के मन मे ऊवजे
चाऊ॥ सुष बसे सगले सन सार॥ मीत
र मीत्र सै करे पियार॥ वृछा सेती बोह
फल होवे परजा सारी पेट भर सोवे॥ दोहा

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

घनपके वौहदसारी ड़ी हीनोगजगमैहो
ये॥ इकभारी क्षिर वालका होरदुखनहीहे
ये॥ मम कुछ विच्वरपाल के मैहगेमूलवि
काये जहमत वौहतअंनदजी घरो को
क मरजाह॥ पूरव मैआफ पड़े॥ देसहो
ये खंडखंड॥ केते मरे कतलमै केते देवदं
ड॥ जोमघर की विसमी मेबलगायतजान
मैसा हो॥ समुचालजगत मे कांपे मेरमहान
केते गिर मंदर डिगे केते डिगे पाहाड़॥ कातक
के मासमेलड़ कोजो के सिरभार॥ सावीक
॥ श्रीअनंदजी कुठ नाजानोकोये॥

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

इहल दोनहन साल के जेर व बे दिन होये
चौपई: चंदर वार वैसाषी आवे ॥ तिसको लछन
कहु सुनावे ॥ बरषा होवे बोहत समते अंन
कोजान ॥ ऊपर तारे कंमेर के तालो सुलतान
त वरैय तसभ वंगा ला होये ॥ माने हु कम ला
कम ना कोये ॥ आपात पड़े पर व ता माही ॥
उघ विच बोहते मर जाही ॥ उतर देस षु
लबली पड़े रजदुष मै बोहते मरे ॥ दुध बो
हत बपा या होवे ॥ षतरा मरग पं डेरु हो
वे दोहरा तिल कु पास अर अन मेवा अवर

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri

फड़कारंगहोवे ऊसकादुद्ध लैके पानी

लसीकरनी कोरे भाडे विच पाके ऊ

मफेती कुटादेना गौयाको ऊसदा

वाजे गोयाकड़े ऊसदा बाजे हठे ऊस

दिन तवानाचाड़े चकीनापेरे गोहाना

क घ्ये सारे दुद्ध का जगकरदे मनो

ऊ.ठे ऊँ जंत्र मखणादा

८	१	२२
२२	९	५
६	२२	२

ऊ ।	[illegible]	[illegible]
३	५।	ऊ
७	१	३२

[illegible] दी

Courtesy Dr. Narinder Sharma. Digitized by eGangotri